>

Title: Regarding flood damage in Sant Kabir Nagar district and Gorakhpur district in Uttar Pradesh.

श्री भीष्म शंकर उर्फ कुशल तिवारी (संत कबीर नगर): महोदय, मैं आपके माध्यम से सरकार का ध्यान बाढ़ से आयी त्रासदी के ऊपर डालना चाहता हूं कि हमारे क्षेत्र में पहाड़ी नदियां हैं घाघरा, राप्ती, आमी, कुवानो। आमी नदी में बाढ़ आने के बाद करीब 50-50 मीटर सड़कें कट गई हैं मगर आज तक नहीं बनी हैं, तीन महीने का समय हो गया और घाघरा नदी का दो किलोमीटर तक तटबंध कट गया है, जिसके कारण सैंकड़ो गांव प्रभावित हैं और सैंकड़ो गांवों में रहने वाली करीब लाखों की आबादी दो जनपद में, संत कबीर नगर जनपद का दहीसर ब्लॉक और जनपद गोरखपुर का बेलघाट ब्लाक बुरी तरह से प्रभावित है। डेढ़ महीने से लगातार पानी गांव में पड़ा हुआ है। पानी सड़ रहा है। बीमारियां धीरे-धीरे बढ़ रही हैं। यह बीमारियां महामारी का रूप न धारण करें क्योंकि पूर्वांचल में इन्सीफ्लाइटिस, कालाजार और इस तरह की तमाम बीमारियां हैं, जिनसे लोग प्रभावित होते हैं और हर साल हजारों की तादाद में लोग मर जाते हैं, बच्चे मर जाते हैं। मेरी आपके माध्यम से केन्द्र सरकार से यह विनती है कि उसकी एक जांच करा कर के कि बंधा किन कारणों से कटा? अधिकारियों की लापरवाही से बंधा कट गया और आज तक प्रदेश सरकार ने, डेढ़ महीने का समय हो गया है कोई राहत लोगों को नहीं पहुंचायी है और लोग वहां से पलायित होने को मजबूर हैं। वहां बीमारियां हैं और तमाम सारे घर गिर गए हैं। पांच-छः गांव पानी में समा गए हैं और उनके रहने की कोई व्यवस्था नहीं है। मेरी आपके माध्यम से भारत सरकार से और विशेष रूप से आपदा राहत मंत्रालय से आग्रह है कि उनका पुनर्वास सुनिश्चित करने के लिए व्यवस्था की जाए। वे लोग कहीं सड़क पर और कहीं बंधे पर मारे-मारे फिर रहे हैं। वह भी इसी देश के नागरिक हैं और सम्मानपूर्वक जीने का हक उनको भी है और जो अधिकार भारत सरकार से मिले हैं, वह उनको मिलने चाहिए। जिससे वह अपनी दिनचर्या और जिंदगी को सुचारू रूप से आगे बढ़ा सकें।